

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—श्वरत ३—उप-श्वरत (li) PART II—Section 3—Sub-Section (li)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 355] नई बिल्ली, बुधवार, जून 10, 1992/ज्येक 20, 1914 No. 355] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 10, 1992/JYAISTHA 20, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती ही जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय ग्रिधसूचना

नई दिल्ली, 10 जुन, 1992

का.श्रा. 416(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध कियाकलाप (निवारण) ग्रिध्य-नियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रपनी यह राय होने पर कि ऐसा करना धावश्यक है, "विधिविरुद्ध किया-कलाप (निवारण) श्रधिकरण" का गठन करती है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीका, न्यायमृति श्री पी०एन० नाग होंगे।

[फा॰ सं॰ [→11034/57/92-प्राई॰एस॰डी॰प्राई॰(बी॰)]
श्रशोक भाटिया, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 10th June, 1992

S.O. 416(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government being of opinion that it is necessary so to do hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Junstice P. N. Nag, Judge of the Delhi High Court,

[F. No. I-11034|57|92-ISDI(B)] ASHOK BHATIA, Jt. Secy.